CATALYST COLLEGE

(A Unit of Vijayam Educational Trust, A registered Non-Profit Charitable Trust)
Affiliated to Patliputra University,Patna

(प्रेस विज्ञप्ति)

कैटलिस्ट कॉलेज के 300 छात्रों ने आई.आई.टी.- बी.एच.यू. में किया तीन दिवसीय वर्कशॉप

छात्रों ने चैट जीपीटी, गेम डेव्लपमेंट, इथिकल हैकिंग, आईओटी पर किया कोर्स

कैटलिस्ट कॉलेज (सिमेज समूह से सम्बद्ध) से 287 छात्रों ने आई.आई.टी.- बी.एच.यू. द्वारा आयोजित तीन दिवसीय अड्वान्स आईटी वर्कशॉप में भाग लिया | वर्कशॉप्स का आयोजन सुबह 9 बजे से शाम 6 बजे तक किया गया | " चैट-जीपीटी, क्लाउड कम्प्यूटिंग, डिजिटल मार्केटिंग, इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आई.ओ.टी.), स्मार्ट रोबोटिक्स, डेटा-साइंस एंड मशीन लर्निंग, गेम डेव्ल्पमेंट तथा इथिकल हैकिंग विषयों पर तीन दिवसीय वर्कशॉप आयोजित किया गया था | सभी वर्कशॉप्स के अंत में छात्रों ने प्रोजेक्ट बनाकर तथा प्रैक्टिकल कर, विषय को व्यावहारिक तरीके से समझा |

इथिकट हैकिंग में छात्रों ने सिस्टम, नेटवर्क और ई-मेल को सिक्योर करना तथा उसे बाहरी अटैक से बचाना सीखा | उन्हे एन मैप, वायर शार्क, फायर वॉल, मैन इन द मिडल अटैक, फुट प्रिंटिंग, सोशल इंजीनीयरिंग, मेटा-स्पोईट, पासवर्ड हैकिंग, काली-लिनक्स जैसी अन्य तकनीकों के बारे में सीखाया गया | क्लाउड कम्प्यूटिंग में छात्रों ने क्लाउड माइग्रेशन, अमेज़न वेब सर्वर, माइक्रोसॉफ्ट अजूर, इत्यादि की तकनीक को गहराई से सीखा | गेम डेव्ल्पमेंट वर्कशॉप में छात्रों ने पायथन प्रोग्रामिंग का इस्तेमाल करते हुये कई गेम्स को डेवलप किया | चैट- जी.पी.टी के वर्कशॉप में छात्रों ने ओपेन एआई प्लेटफॉर्म और जीपीटी 3.5 का इस्तेमाल करना सीखा, कैसे किसी भी प्रकार का डेटा खोजा जा सकता है | इस दौरान छात्रों ने अपने प्रोग्रामिंग के माध्यम से अपना एक प्लेटफॉर्म तैयार किया, जो सवाल पूछे जाने पर वांछित जवाब देता है | इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आई.ओ.टी.) के वर्कशॉप में छात्रों ने उसके बेसिक एलीमेंट का इस्तेमाल करके प्रोग्रामिंग लैंगवेज़ की एमडीडी से इंटरनेट के मध्यम से कई एलेक्ट्रोनिक डिवाइसेज जैसे कि बीएलबी, फैन, दूर लॉक, एसी को ओपरेट किया | उन्होने सेंसर को ऐक्टिवेट करके टेम्परेचर को रीड किया, वाई-फाई को एक्सेस किया तथा बल्ब को जलाया तथा बुझाया | जबकि डेटा साइंस और मशीन लर्निंग के वर्कशॉप में छात्रों ने डेटा साइन्स और मशीन लर्निंग के बारे में गहनता से अध्ययन किया तथा ऐरे, लिस्ट, टपल, स्लाइसिंग डिक्शनरी, पायथन लाइब्रेरी इत्यादि पर काम किया | साथ ही डेटफ्रेम तथा बेसिक्स ऑफ स्टैटिक्स पर कार्य किया | इसके साथ ही छात्रों ने वहाँ आयोजित 'रोबो-वार', 'ड्रोन शोज़', 'रोबो फॉर्मूला-1 रेसिंग' और बोटल रॉकेट तथा ऐरो डायनेमिक्स की प्रतियोगिताओं मे भाग लिया |

तमाम व्यस्त कार्यक्रमों के बाद चौथे दिन छात्रों ने बनारस के विभिन्न दर्शनीय स्थलो का भ्रमण किया | उन्होने 'काशी विश्वनाथ मंदिर, संकटमोचन मंदिर, दीनदयाल उपाध्याय पार्क, रामनगर फोर्ट जैसे स्थलों का भ्रमण किया | इसके साथ ही छात्रों ने 5 क्रूजर बोट पर गंगा नदी पर बोटिंग करते हुये शाम में गंगा आरती में भाग लिया तथा बनारस के 84 घाटों के देखा | इसके साथ ही छात्रों ने बनारस के प्रसिद्ध कचौड़ी-सब्जी, चाट, लस्सी तथा बनारसी पान का लुत्फ भी उठाया |

छात्रों के इतने बड़े दल का नेतृत्व कैटलिस्ट कॉलेज के निदेशक नीरज अग्रवाल, डाइरेक्टर ऑपरेशन मेघा अग्रवाल तथा डीन नीरज पोद्दार कर रहे थे | साथ में पाँच अन्य शिक्षक अंजेश कुमार, मुरली मनोहर, पंकज चंद्रा, राजू उपाध्याय तथा आकांक्षा कुमारी भी छात्रों को मार्गदर्शन प्रदान कर रहे थे | इस ट्रिप के संबंध में जानकारी प्रदान करते हुये कैटलिस्ट कॉलेज के निदेशक नीरज अग्रवाल ने बताया कि 'पूरे बिहार से ऐसा कभी नहीं हुया कि आई.आई.टी.- बी.एच.यू. जैसे प्रसिद्ध संस्थान में इतनी बड़ी संख्या में छात्रों का कोई दल राष्ट्रीय स्तर के शैक्षिक कार्यक्रम में भाग लेने गया हो | छात्रों ने वहाँ अदम्य अनुशाशन और समर्पण का परिचय दिया | सारे कार्य और असाइनमेंट को पूरा करते करते छात्रों को रात्री 12-1 बज जाता था उसके बावजूद अगले दिन छात्र सुबह 4 बजे ही उठ कर तैयार हो जाते थे | राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित इस कार्यक्रम में कैटलिस्ट कॉलेज के छात्रों ने आई.आई.टी.- बी.एच.यू. के छात्रो के साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम किया और वे उनसे किसी भी प्रतियोगिता मे कमतर नहीं पड़े |

तथ्य एक झलक में :

- आई.आई.टी.- बी.एच.यू. ने आयोजित किया तीन दिवसीय अड्वान्स आईटी वर्कशॉप्स'
- कैटलिस्ट कॉलेज के 300 छात्रों ने इसमें भाग लिया
- कैटलिस्ट कॉलेज के 111 छात्राएँ तथा 189 छात्रों ने भाग लिया |
- 3 दिनों में छात्रों ने 8 वर्कशॉप्स को अटेण्ड किया

छात्रों ने इन 8 विषयों पर अटेण्ड किया 8 वर्कशॉप्स

- चैट- जी.पी.टी.,
- क्लाउड कम्प्यूटिंग,
- डिजिटल मार्केटिंग,
- इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आई.ओ.टी.),
- रोबोटिक्स,
- डेटा-साइंस तथा मशीन लर्निंग,
- गेम डेव्ल्पमेंट तथा
- इथिकल हैकिंग

- तीन दिवसीय था वर्कशॉप
- सुबह 9 बजे से शाम 6 बजे तक रोज़ पढ़ाई होती थी |
- सभी वर्कशॉप्स के अंत में छात्रों ने प्रोजेक्ट बनाकर तथा प्रैक्टिकल कर विषय को व्यावहारिक तरीके से समझा |
- छात्रों ने 'रोबो-वार', 'ड्रोन शोज़' और 'रोबो फॉर्मूला-1 रेसिंग' मे भाग लिया |
- पूरे राज्य से छात्रों के इतने बड़े शैक्षणिक दल ने कभी किसी शैक्षिक कार्यक्रम में पहले भाग नहीं लिया था |
- सभी छात्रों के आने हौर जाने के लिए जनशताब्दी एक्सप्रेस मे तीन पूरी बोगियों को रिजर्व कराया गया था |
- सभी छात्रों के पाँच दिन तक रहने खाने कि समूहिक व्यवस्था की गयी थी |